



परिधि के बाहर

संगीता मौर्य



प्रकाशक : अद्वैत प्रकाशन

ई-17, पंचशील गार्डन, नवीन शाहदरा
दिल्ली-110032

सर्वाधिकार : लेखकाधीन

प्रथम संस्करण : 2021

आईएसबीएन : 978-93-82554-00-4

मूल्य : ₹ 275/-

शब्द-संयोजन : कम्प्यूटेक सिस्टम, दिल्ली-110032

मुद्रक : राजौरिया ऑफसेट, दिल्ली-110094

STRI : PARIDHI KE BAHAR
by Sangeeta Maury

आत्मकथ
है। जहाँ
है, वहीं
होती है।
अतः इस
कला-सत्ता
संप्रेषणीय
के साथ-
रखने के
ही रखत
है। जीव
कि उसने
किस स्
(
के निर्मा
भी बराब
जिम्मेदार
भूत व
कल का
वह पश्च
गौरव हो
से रचना

अनुक्रम

भूमिका	5
हिंदी में आत्यकथात्मक प्रवृत्ति का विकास	11
स्त्री आत्यकथाओं के समाजशास्त्रीय अध्ययन की संभावना	44
स्त्रियों की सामाजिक विडम्बना का स्वरूप और स्त्री आत्यकथाएँ	80
स्त्रियों की सामाजिक विडम्बना का स्वरूप और अन्य भारतीय भाषाओं की स्त्री आत्यकथाएँ	167
स्त्री और पुरुष आत्यकथाओं में भिन्नता के धरातल	199
स्त्री आत्यकथाओं का भाषिक स्वरूप	214
स्त्री स्वर में प्रश्न की आकांक्षा	232